20-06-2023

सारंगापानी मंदिर और चिथिरई उत्सव

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में कुंभकोणम में सारंगापानी मंदिर में चिथिरई उत्सव मनाया गया। इस उत्सव को चिह्नित करने के लिए हर साल हजारों लोग सारंगापानी मंदिर की गाड़ी खींचते हैं।

त्वरित मुद्दा?

- इस उत्सव में लगभग 10,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, यह त्योहार विश्वास के साथ-साथ सरल भौतिकी को प्रदर्शित करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- 102 फीट की यह मंदिर कार एशिया में सबसे बड़ी है। सदियों से इस ढांचे को खींचने की प्रथा चिथिरई उत्सव का हिस्सा रही है। माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण चोल काल में नौवीं और 13वीं शताब्दी के बीच हुआ था।
- उस समय के दौरान 12 वैष्णव संतों में से " एक थिरुमंगई अलवर ने एक कविता थिरु एझू कूटरिरुकाई लिखी थी, जिसमें इस मंदिर की कार के निर्माण के तरीके को दर्शाया गया है। हालांकि इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि मंदिर की कार का आधार वही है और समय के साथ बच गया, मंदिर के पास प्रमाण है कि वर्तमान आधार की मरम्मत 1906 में की गई थी।
- चिथिरई थिरुविझा अप्रैल मई के महीने के दौरान मदुरै शहर तथा तमिलनाडु के कुछ अन्य हिस्सों में मनाया जाने वाला एक वार्षिक उत्सव है। यह तमिल महीने चितिराई के दौरान मनाया जाता है।
- यह दुनिया में सबसे लंबे समय तक मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक हैं और एक महीने तक चलता है।
- त्योहार के पहले 15 दिनों में देवी मीनाक्षी के राज्याभिषेक और भगवान सुंदरेश्वर और देवी मीनाक्षी के विवाह का जश्न मनाया जाता है, और अगला अलगर कोइल में कल्लाझगर मंदिर से मदुरै तक भगवान अजगर की यात्र के 15 दिन पूरे होते हैं।
- यह त्योहार तमिलनाडु के विभिन्न स्थानों से लगभग 10 लाख लोगों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।
- सारंगापानी मंदिर को श्रीरंगम और तिरुपति मंदिरों की पंक्ति में तीसरा माना जाता है, और मध्यकालीन चोलो, विजयनगर साम्राज्य और मदुरै नायकों के अलग-अलग समय में योगदान के साथ महत्वपूर्ण प्राचीनता का माना जाता है।
- मंदिर एक विशाल ग्रेनाइट दीवार के भीतर स्थित है और परिसर में मंदिर के सभी मंदिर और जल निकाय है। पोटरामराय टैंक, मंदिर टैंक, मंदिर के पश्चिमी प्रवेश द्वार के सामने स्थित है।
- इस मंदिर के गोपुरम (मुख्य प्रवेश द्वार) में ग्यारह स्तर हैं और इसकी ऊंचाई 173 फीट (53 मीटर) है।

गांधी शांति पुरस्कार 2021

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में केंद्र सरकार ने 2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार की घोषणा की है। वर्ष 2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार गीता प्रेस, गोरखपुर को प्रदान किया जाएगा, जो भगवद गीता,रामायण और उपनिषद जैसे धार्मिक ग्रंथों के सबसे बड़े प्रकाशकों में से एक है।

त्वरित मुद्दा?

- गीता प्रेस को पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली एक जूरी ने विचार-विमर्श के बाद प्रकाशक के "अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए उत्कृष्ट योगदान" को मान्यता देने के लिए लिया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- पिछले पुरस्कार विजेताओं में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, रामकृष्ण मिशन, बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक, विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी और सुलभ इंटरनेशनल, नई दिल्ली जैसे संगठन शामिल हैं।
- यह पुरस्कार विदेशी गणमान्यों को भी दिया गया है। जैसे: दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला, दक्षिण अफ्रीका के आर्कबिशप डेसमंड टूटू और बांग्लादेश के बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान को भी दिया गया है।
- गीता प्रेस दुनिया के सबसे बड़े प्रकाशकों में से एक है, जिसने 14 भाषाओं में 41.7 करोड़ पुस्तके प्रकाशित की हैं, जिनमें 16.21 करोड़ भगवद गीता भीशामिल है।
- यह 2023 में अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रहा है। गीता प्रेस अपने संबद्ध संगठनों के साथ, जीवन की बेहतरी और सभी की भलाई के लिए प्रयास करता है।
- गीता प्रेस संस्था का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म, हिंदू धर्म के सिद्धांतों को गीता, रामायण, उपनिषद, पुराण, प्रख्यात संतों के प्रवचन और अन्य चरित्रों को प्रकाशित करके आम जनता के बीच प्रचारित करना और फैलाना है।
- इस वार्षिक पुरस्कार को भारत सरकार द्वारा वर्ष 1995 में महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में अहिंसा के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन लाने वाले लोगों की पहचान करने हेतु स्थापित किया गया था।
- इसमें एक करोड़ रुपए नकद राशि, एक पट्टिका और एक प्रशस्ति पत्र तथा एक उत्कृष्ट पारंपरिक हस्तकला / हथकरघा उत्पाद शामिल होता है। यह पुरस्कार किसी व्यक्ति, संघ, संस्थान अथवा संगठन को दिया जा सकता है।
- इस पुरस्कार को दो व्यक्तियों / संस्थानों के बीच विभाजित भी किया जा सकता है, यदि चयनकर्त्ता यह मानते हैं कि वे दोनों समान रूप से पुरस्कार के योग्य है।
- यह राष्ट्रीयता, पंथ, नस्ल या लिंग आदि के आधार पर भेदभाव किये बिना सभी को प्रदान किया जा सकता है।
- विजेताओं का चयन करने वाली समिति में प्रधानमंत्री, देश का मुख्य न्यायाधीश, लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल का नेता, लोकसभा अध्यक्ष तथा सुलभ इंटरनेशनल का संस्थापक शामिल हैं और इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।

राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2022

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2022 प्रदान किए गये।

त्वरित मुद्दा?

- राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2022के अंतर्गत, ग्यारह श्रेणियों में विजेताओं को जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- राष्ट्रीय जल पुरस्कार, केंद्र सरकार के 'जल समृद्ध भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए चल रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के हिस्से के रूप में, विभिन्न व्यक्तियों और संगठनों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों और प्रयासों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- वर्ष 2018 में जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की ओर से राष्ट्रीय जल पुरस्कार शुरू किए गए।
- यह लोगों में पानी के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें सर्वोत्तम जल उपयोग प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करता है।
- यह आयोजन सभी लोगों और संगठनों को एक मजबूत साझेदारी बनाने और जल संसाधन संरक्षण और प्रबंधन गतिविधियों में सार्वजनिक भागीदारी को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

सर्वश्रेष्ठ राज्य	मध्य प्रदेश
सर्वश्रेष्ठ जिला	गंजम (ओडिशा)
सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत	जगन्नाधपुरम ग्राम पंचायत, भद्राद्री कोठागुडेम जिला (तेलंगाना)
सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय	चंडीगढ़ नगर निगम, चंडीगढ़
सर्वश्रेष्ठ मीडिया	एडवांस वाटर डाइजेस्ट प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा
सर्वश्रेष्ठ स्कूल	जमीयतपुरा प्राइमरी स्कूल, मेहसाणा, गुजरात
कैंपस उपयोग के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान	श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, रियासी, जम्मू-कश्मीर
सर्वश्रेष्ठ स्वयं सहायता समूह (NGO)	अर्पण सेवा संस्थान, उदयपुर, राजस्थान
कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) गतिविधियों के लिए सर्वश्रेष्ठ उद्योग	हिंदुस्तान कम्प्यूटर्स लिमिटेड (HCL) टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश
सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ	संजीवनी पियाट सहकारी मंडली लिमिटेड, नर्मदा, गुजरात
सर्वश्रेष्ठ उद्योग	बरौनी ताप विद्युत केंद्र, बेगूसराय, बिहार

भारत - संयुक्त राष्ट्र सतत विकास सहयोग ढांचा

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में नीति आयोग और भारत में संयुक्त राष्ट्र ने "भारत सरकार - संयुक्त राष्ट्र सतत विकास सहयोग रूपरेखा (जीओआई-यूएनएसडीसीएफ)-2023-2027" पर हस्ताक्षर किए।

त्वरित मुद्दा?

- संयुक्त राष्ट्र महासभा का प्रस्ताव ए/आरईएस/72/279 देश के स्तर पर संयुक्त राष्ट्र विकास प्रणाली के लिए प्रमुख योजना और कार्यान्वयन साधन के रूप में संयुक्त राष्ट्र सतत विकास सहयोग ढांचे को निर्दिष्ट करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- जीओआई-यूएनएसडीसीएफ 2023-2027 सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति, लैंगिक समानता, युवा सशक्तिकरण और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए, विकास की राष्ट्रीय कल्पना के अनुरूप, भारत सरकार को संयुक्त राष्ट्र विकास प्रणाली की सामूहिक पेशकश का प्रतिनिधित्व करता है।
- देश में काम कर रही संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं की कार्यक्रम प्राथमिकताएं जीओआई-यूएनएसडीसीएफ से ली गई हैं।

- जीओआई-यूएनएसडीसीएफ 2023-2027 चार रणनीतिक स्तंभों पर बनाया गया है जो 2030 के एजेंडा – लोग (पीपल), समृद्धि (प्रॉस्पेरेटी), पृथ्वी (प्लेनेट) और भागीदारी (पार्टीसिपेशन) से लिए गए हैं।
- आपस में जुड़े चार स्तंभों में छह परिणाम क्षेत्र हैं जो स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन; पोषण और खाद्य सुरक्षा; गुणवत्तापूर्ण शिक्षा; आर्थिक विकास और उचित कार्य; पर्यावरण, जलवायु, वॉश (WASH) और लचीलापन; और लोगों, समुदायों और संस्थानों को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करते हैं।
- जीओआई-यूएनएसडीसीएफ 2018-2022 को भारत सरकार की ओर से नीति आयोग के नेतृत्व में बनाया गया था, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों की मजबूत भागीदारी थी।
- नागरिक समाज, विचारकों, निजी क्षेत्र, सहकारी समितियों और श्रमिक संघों के साझेदारों ने भी दस्तावेज़ के विकास में योगदान दिया, जिससे संपूर्ण समाज, संपूर्ण सरकार और संपूर्ण संयुक्त राष्ट्र दृष्टिकोण सुनिश्चित हुआ।
- जीओआई-यूएनएसडीसीएफ को पिछले सहयोग ढांचे (2018-2022) के तीसरे पक्ष के मूल्यांकन और भारत में संयुक्त राष्ट्र द्वारा किए गए एक सामान्य देश विश्लेषण (सीसीए) द्वारा जानकारी दी गई थी।
- भारत सरकार-यूएनएसडीसीएफ 2023-2027 के कार्यान्वयन, निगरानी और रिपोर्टिंग का नेतृत्व संयुक्त संचालन समिति के माध्यम से भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र, भारत द्वारा किया जाएगा।
- **भारत के लिए महत्व -**
  - यह नया ढांचा एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है क्योंकि दुनिया सतत विकास के लिए 2030 के एजेंडा को प्राप्त करने के लिए आधे रास्ते तक पहुंच चुकी है, और भारत के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप अगले 25 वर्षों में एक 'विकसित भारत' की कल्पना करता है।
  - भारत 2030 एजेंडा का प्रमुख निर्माता है। UNSDCF के साथ भारत ने अपनी प्रमुख राष्ट्रीय पहलों को सतत विकास लक्ष्य के साथ जोड़ दिया है।
  - महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने के लिए, पहली बार, जीओआई-यूएनएसडीसीएफ का एसडीजी के स्थानीयकरण और दक्षिण-दक्षिण सहयोग पर विशेष ध्यान होगा, जो एसडीजी के कार्यान्वयन और तेजी लाने की दिशा में भारत के नेतृत्व; दक्षिण-दक्षिण सहयोग के अनुरूप होगा।
  - वैश्विक स्तर पर विकास के भारतीय मॉडलों को प्रदर्शित करना इस प्रयास का केन्द्र होगा।